>

Title: Need to formulate a plan to tackle drought situation in Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान इस महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि महाराष्ट्र के कुल जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है। इसके कारण किसानों का भारी नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र का किसान पहले ही अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। अनेक जिलों में बुवाई के बावजूद बारिश न होने के कारण फसलें सूख गई हैं। प्रदेश में पीने के पानी की भारी कमी है। पानी की कमी के कारण कंस्ट्रक्शन के कामों को रोकना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र सरकार ने अभी तक 122 तालुकों को अकालग्रस्त घोषित किया है। लगभग अगस्त का महीना खत्म हो चुका है। लेकिन बारिश का नाम नहीं। कई जिलों में पशु चारे की कमी महसूस की जा रही है। जिस कारण महाराष्ट्र के दूध उत्पादन में भारी गिरावट आई है। पिछले तीन महीनों में 15 लाख लीटर दूध का उत्पादन कम हुआ है। सरकार को परिस्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए नहीं तो गांवों से शहरों की ओर पलायन शुरू हो जाएगा, किसान आत्महत्या करने को प्रेरित होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष 2011 में अकेले महाराष्ट्र में 3337 किसानों ने आत्महत्या की है। अगर हालात यही रहे तो यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। लोगों का पलायन और किसानों की आत्महत्या रोकने के लिए जल्द से जल्द उपाय ढूंढने होंगे।

अतः मेरा अनुरोध है कि राज्य और केन्द्र सरकार मिलकर इस संकट का सामना करने के लिए कोई योजना तैयार करें और महाराष्ट्र को अतिशीघ्रता से मदद की जानी चाहिए।